Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

समकालीन विश्व राजनीति

अध्याय - 7

वैश्वीकरण

भाग - 2

Satyaveer Yadav

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वैश्वीकरण के आर्थिक प्रभाव

आर्थिक वैश्वीकरण

दुनिया के विभिन्न देशों के बीच आर्थिक प्रवाह तेज

कुछ आर्थिक प्रवाह स्वेच्छा से जबकि कुछ अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं और ताकतवर देशों द्वारा जबरन लादे जाते हैं।

पूरी दुनिया में वस्तुओं के व्यापार में इजाफा

आयात पर प्रतिबंधों में कमी

पूंजी की आवाजाही पर प्रतिबंधों में कमी

धनी देश के निवेशकर्ता दूसरे देशों में निवेश कर सकते हैं।

खासकर विकासशील देशों में जहां उन्हें ज्यादा मुनाफा होगा।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

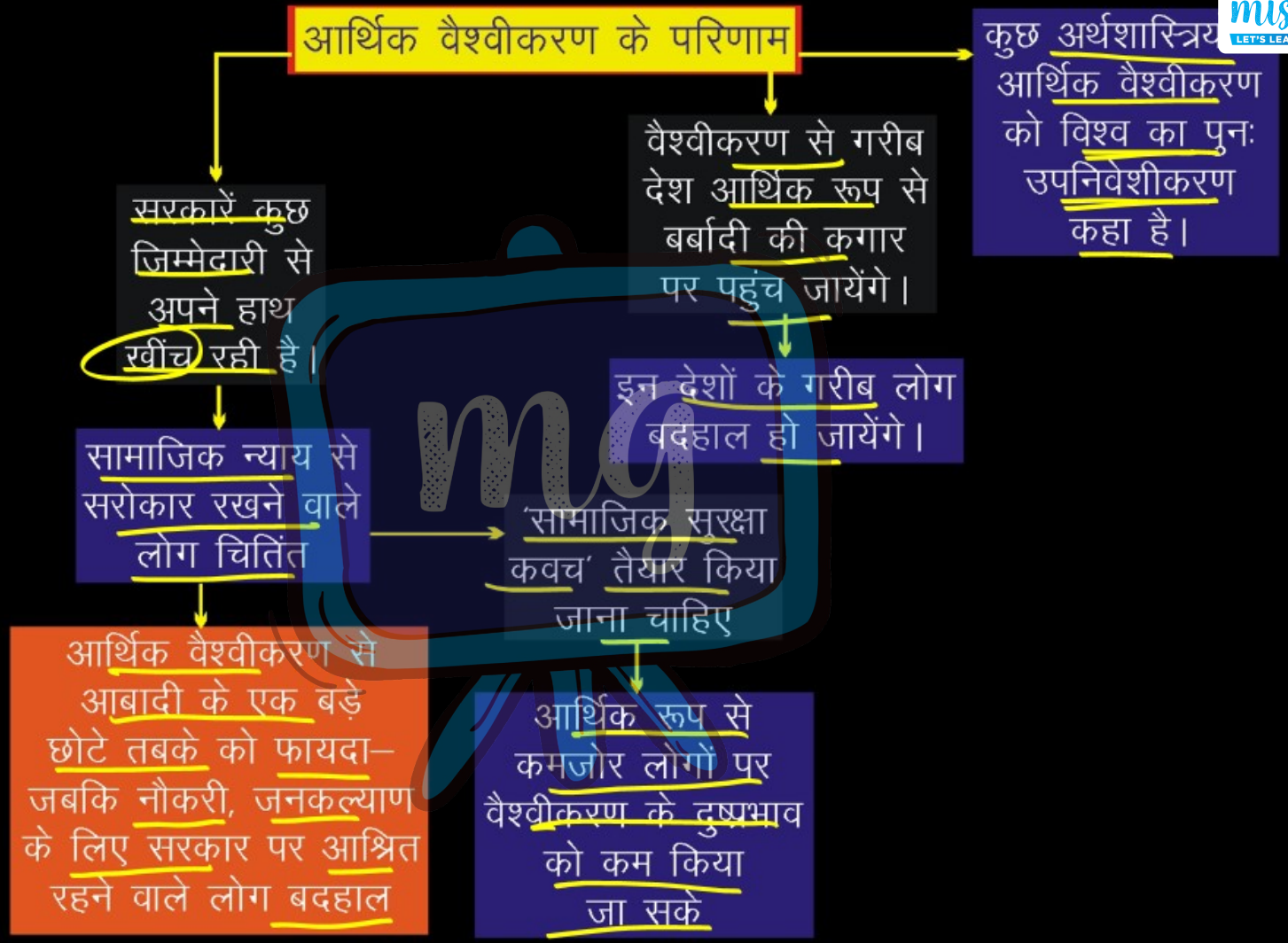
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आर्थिक प्रभाव :-

- वैश्वीकरण के कारण जिस सीमा तक वस्तुओं और पूंजी का प्रवाह बढ़ा है, उस सीमा तक लोगों की आवाजाही नहीं बढ़ रही है।
- विकसित देश अपनी सीमा नीति के जरिए अपनी राष्ट्रीय सीमाओं को बड़ी सतर्कता से अभेद्य बनाए रखते हैं ताकि दूसरे देशों के नागरिक विकसित देशों में आकर कहीं उनके नागरिकों के नौकरी व धंधे न हथिया लें।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आर्थिक वैश्वीकरण के समर्थकों के तर्क :

- इससे समृद्धि बढ़ती है और खुलेपन के कारण ज्यादा से ज्यादा आबादी की खुशहाली बढ़ती है।
- व्यापार की बढ़त से हर देश को अपना बेहतर कर दिखाने का मौका मिलता है। इससे पूरी दुनिया को फायदा होगा।
- वैश्वीकरण के मध्यमार्गी समर्थकों के अनुसार वैश्वीकरण ने चुनौतियां पेश की है और सजग सचेत होकर पूरी बुद्धिमता से इसका सामना किया जाना चाहिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वैश्वीकरण के सांस्कृतिक प्रभाव



नकारात्मक पहलू :-

- वैश्वीकरण की प्रक्रिया विश्व की संस्कृतियों को खतरा पहुंचायेगी।
- वैश्वीकरण से ये होता है क्योंकि वैश्वीकरण सांस्कृतिक समरूपता ले आता है।
- सांस्कृतिक समरूपता का अर्थ यह नहीं कि किसी विश्व संस्कृति का उदय हो रहा है।
- विश्व संस्कृति के नाम पर शेष विश्व पर पश्चिमी संस्कृति लादी जा रही है।
- राजनीतिक और आर्थिक रूप से प्रभुत्वशाली संस्कृति कम ताकतवर समाजों पर अपना प्रभाव छोड़ती है और संसार वैसा ही दिखता है जैसा ताकतवर संस्कृति इसे बनाना चाहती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

वैश्वीकरण के सांस्कृतिक प्रभाव

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

सकारात्मक पहलु :-

- संस्कृति कोई जड़ वस्तु नहीं है।
- हर संस्कृति हर समय बाहरी प्रभावों को स्वीकार करती रहती है।
- कभी कभी बाहरी प्रभावों से हमारी पसंद नापसंद का दायरा बढ़ता है।
- इससे परंपरागत सांस्कृतिक मूल्यों को छोड़े बिना संस्कृति का परिष्कार होता है।
- वैश्वीकरण का 'सांस्कृतिक समरूपता' से उल्टा प्रभाव भी पैदा हुआ है।
- वैश्वीकरण से हर संस्कृति कहीं ज्यादा अलग और विशिष्ट होती जा रही है। इस प्रक्रिया को सांस्कृतिक वैभिन्नीकरण कहते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भारत - संरक्षणवाद :-

- औपनिवेशिक दौर में ब्रिटेन के साम्राज्यवादी मंसूबों के परिणामस्वरूप भारत आधारभूत वस्तुओं और कच्चे माल का निर्यातक तथा बने बनाये समानों का आयातक देश था।
- आजादी हासिल करने के बाद, ब्रिटेन के साथ अपने इन अनुभवों से सबक लेते हुए हमने फैसला किया कि दूसरे पर निर्भर रहने की बजाय खुद सामान बनाया जाये।
- दूसरे देशों को निर्यात की अनुमति नहीं - ताकि हमारे उत्पादक चीजों को बनाना सीख सके।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1991 / आर्थिक संकट

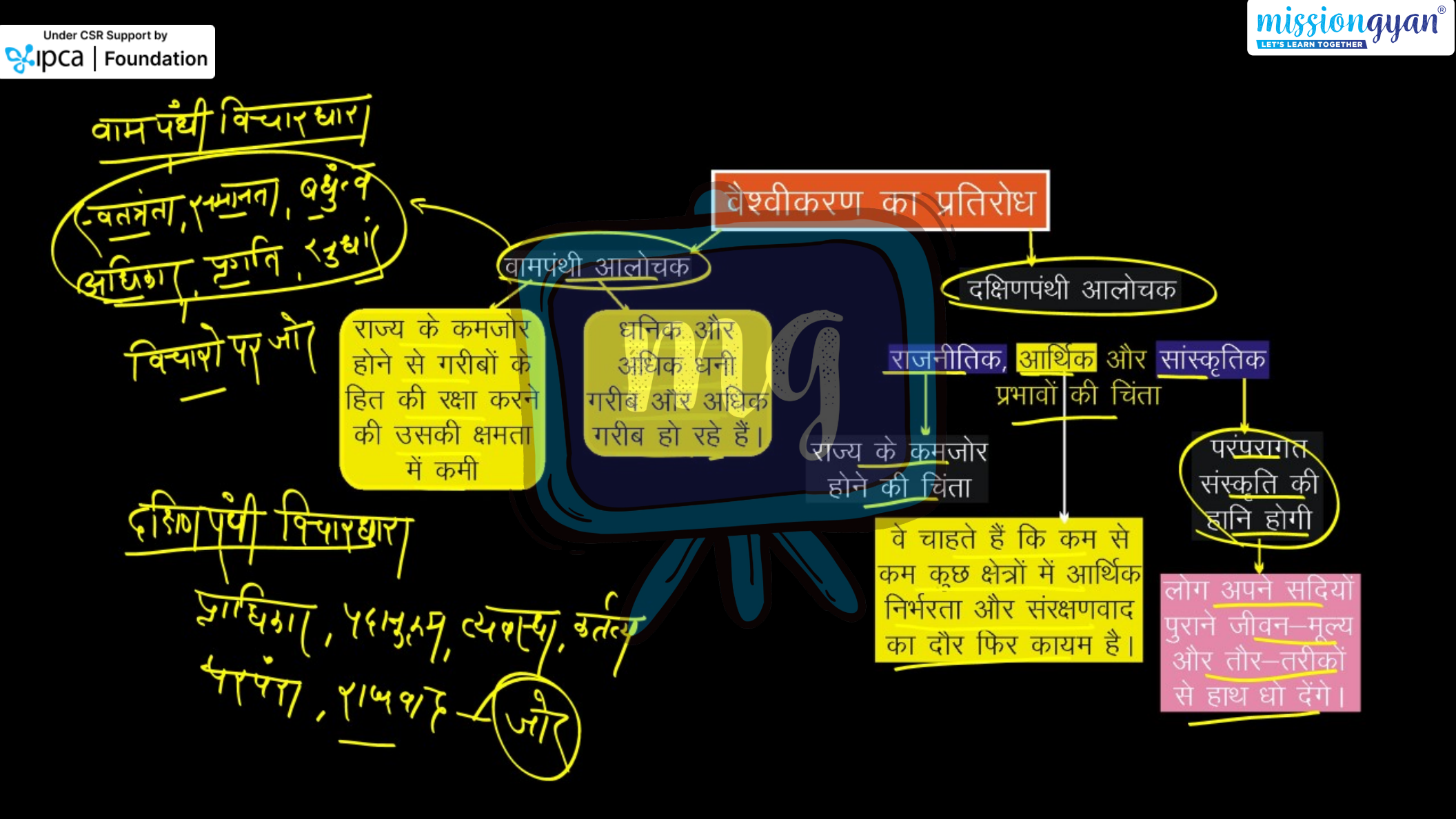
FDI

परिणाम :-

- कुछ क्षेत्रों में तरक्की।
- कुछ जरूरी क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य, आवास और प्राथमिक शिक्षा पर उतना ध्यान नहीं दिया गया जितने वे हकदार थे।
- आर्थिक-वृद्धि दर धीमी रही।
- 1991 में वित्तीय संकट से उबरने और आर्थिक विकास की ऊँची दर हासिल करने की इच्छा से भारत में आर्थिक सुधारों की योजना शुरू हुई।
- इसके अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों पर लगाई गई बाधाएँ हटायी गयी।
- इसमें व्यापार और विदेशी निवेश भी शामिल है।

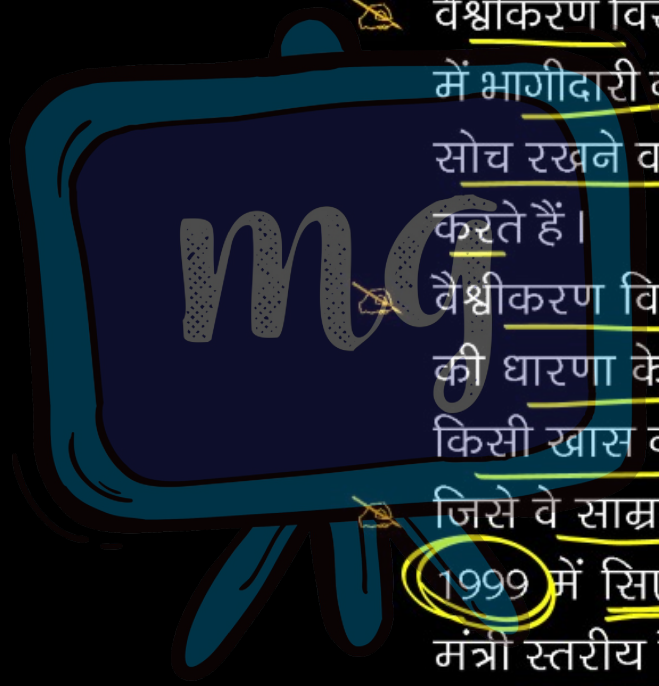
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

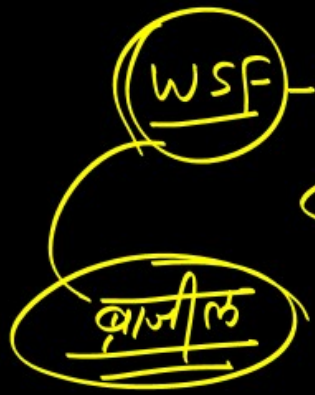


- वैश्वीकरण विरोधी आंदोलन भी विश्वव्यापी नेटवर्क में भागीदारी करते हैं और अपने से मिलती जुलती सोच रखने वाले दूसरे देशों के लोगों से गठजोड़ करते हैं।
- वैश्वीकरण विरोधी बहुत से आंदोलन वैश्वीकरण की धारणा के विरोधी नहीं बल्कि वैश्वीकरण के किसी खास कार्यक्रम के विरोधी है।
- जिसे वे साम्राज्यवाद का एक रूप मानते हैं।
- 1999 में सिएटल, में विश्व व्यापार संगठन की मंत्री स्तरीय बैठक हुई।

WTO

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- आर्थिक रूप से ताकतवर देशों द्वारा व्यापार के अनुचित तौर-तरीकों को लेकर विरोध प्रदर्शन।
- विरोधियों का तर्क था कि उदीयमान वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में विकासशील देशों के हितों को समुचित महत्व नहीं दिया गया है।
- नव-उदारवादी वैश्वीकरण के विरोध का एक विश्वव्यापी मंच 'वर्ल्ड सोशल फोरम (WSF)' है।
- WSF की पहली बैठक 2001 में ब्राजील के पोर्टो अलगेरे में हुई।
- 2004 में इसकी चौथी बैठक मुंबई में हुई थी।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

भारत और वैश्वीकरण का प्रतिरोध

आर्थिक वैश्वीकरण के खिलाफ वामपंथी तेवर राजनीतिक दलों की तरफ से उठे।

'इंडियन सोशल फोरम' जैसे मंचों से भी

औद्योगिक श्रमिक और किसानों के संगठनों ने बहुराष्ट्रीय निगमों के प्रवेश का विरोध किया।

कुछ वनस्पतियों का अमरीकी और यूरोपीय फर्मों द्वारा पेटेंट कराने के प्रयास का कड़ा विरोध

राजनीति के दक्षिणपंथी खेमे द्वारा सांस्कृतिक प्रभावों का विरोध

- विदेशी टी.वी. चैनल
- वेलेनटाइन–डे मनाना
- स्कूल–कॉलेज के छात्र–छात्राओं की पश्चिमी पोशाकों के प्रति अभिरूचि

आदि का विरोध शामिल है।